

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर बून्दी (राज0)
पीठासीन अधिकारी—

श्री प्रकाश चन्द पवन
आई.ए.एस.

मिसल संख्या:
178/अपील/2017

तारीख दायरा
08.05.2017

तारीख निर्णय
20.09.2017

रामदेव आ0 बजरंगा जाति, गुर्जर निवासी ग्राम बागेड़ा तहसील नैनवां
जिला बून्दी (राजस्थान) — अपीलांट

— बनाम —

राजस्थान सरकार जयें नायब तहसीलदार देई जिला बून्दी (राज0)
— रेस्पोंडेन्ट

अपील विरुद्ध आदेश दिनांक 17.02.2017
नायब तहसीलदार, देई
अन्तर्गत धारा 91 भू-राजस्व अधिनियम
अपील अन्तर्गत धारा 75 भू-राजस्व अधिनियम।

उपस्थित :-

अपीलांट की ओर से — श्री महावीर मीणा, अभिभाषक।
रेस्पोंडेन्ट की ओर से — परोकार सरकार

—: निर्णय :-

यह अपील नायब तहसीलदार, देई द्वारा पारित आदेश दिनांक 17.02.2017 से अप्रसन्न होकर अपीलान्ट ने अंतर्गत धारा 75 भू राजस्व अधिनियम के तहत इस न्यायालय में पेश की गई है। अपीलाधीन आदेश के तहत अपीलान्ट को आराजी खसरा नम्बर 409, 410 रकबा 11 बीघा किस्म चरागाह वाके ग्राम बागेड़ा तहसील नैनवां का अतिचारी मानते हुये बेदखली, फसल जप्ती, पैनाल्टी 330/- रूपये एवं 90 दिन सिविल कारावास की सजा से दण्डित किया गया है।

अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर कर रेस्पोंडेन्ट तथा अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गयी।

बहस अभिभाषक अपीलान्ट व परोकार सरकार सुनी गयी।

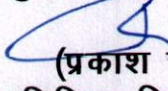
अभिभाषक अपीलांट ने बहस के दौरान अपील में अंकित तथ्यों को दोहराते हुये तर्क प्रस्तुत किये कि अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय वस्तु स्थिति व विधान के सर्वथा विपरित होने से निरस्तनीय हैं। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निर्णय साइक्लोस्टाइल प्रपत्र में सुनाया गया है। जो निर्णय की परिभाषा में नहीं आता है। अपीलान्ट को सुनवायी का अवसर



पूर्ण सन्तुष्ट होने पर कि अपीलान्त ने वादग्रस्त आराजी से कब्जा छोड़ दिया है और जुर्माना जमा करा दिया है तो सिविल कारावास की सजा निरस्त समझी जावे। यदि अपीलान्त उक्त पालना प्रस्तुत करने व वादग्रस्त आराजी से कब्जा छोड़ने में असफल रहता है तो विचारण अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित सिविल सजा कारावास यथावत रहेगी तथा अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित शेष निर्णय यथावत रहेगा।

पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

आदेश आज दिनांक 20.09.2017 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(प्रकाश चंद पवन)
अतिरिक्त जिला कलक्टर,
बून्दी (राज0)